1	2	3	4	5
6. Silent Valley	2×60	58·00	1977	The project has been cleared by the Central Electricity Authority in Feb., 1979. However, in view of the serious reservations expressed by Environmentalists and Ecologists all over the World, the matter is under re-examination.
7. Puyankutty Hydel Project	750	565·15	April, 1981	The project report is currently under examination in the CEA/CWC and Deptt. of Power. The scheme would be considered for techno-economic clearance, after its technical and economic feasibility is established.

हिन्दी पत्रिकाओं को सुविधाएं

*32. **श्री राजेन्द्र प्रसाद यादव** : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारत सरकार द्वारा प्रकाशित अंग्रेजी पत्रिकाओं के समान हिन्दी पत्रिकाओं को सुविधायें तथा सम्पादकीय दर्जा दिए जाने के बारे में नीति सम्बन्धी निर्णय ले लिया गया है;

(ख) क्या यह सच है कि इस नीति निर्णय के बावजूद "आविष्कार" और "भगीरथ" जैसी हिन्दी पत्रिकाओं में सम्पादक की बजाय सहायक सम्पादक कार्य कर रहे है और अंग्रेजी पत्रिका "योजना" तथा "कुरुक्षेत्र" के सम्पादकों को "प्रधान सम्पादक" दर्शाया गया है ; और

(ग) सरकार की नीति के प्रति उदासीनता को समाप्त करने तथा दोषी अधिकारियों को दण्डित करने के लिए क्या कार्यवाही की जा रही है ?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री वसन्त साठे) (क) जी, नही । हिन्दी की पत्रिकाओं और अंग्रेजी की पत्रिकाओं के सम्पादकीय स्टाफ को उपलब्ध की जाने वाली सुविधाओं के बीच कोई भेदभाव नही है ।

(ख) "आविष्कार" नामक पत्रिका सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा प्रकाशित नही की जाती । "भगीरथ" नामक पत्रिका को केन्द्रीय जल आयोग की ओर से प्रकाशन विभाग द्वारा केवल मुद्रित किया जाता है । तथापि, "भगीरथ" पत्रिका के हिन्दी सम्पादकीय स्टाफ को वही दर्जा और सुविधाएं उपलब्ध है जो तद्नुरूपी अंग्रेजी सम्पादकीय स्टाफ पर लागू होती हैं । पहले, हिन्दी पत्रिका की देख रेख सहायक सम्पादक द्वारा की जाती थी, किन्तु अब 1100—1600 रुपए के वेतनमान में सम्पादक का एक पद सृजित कर दिया गया है । जैसे ही सम्पादक लग जायेगा, सहायक सम्पादक के पद को समाप्त कर दिया जाएगा । केवल "योजना" में प्रधान सम्पादक का एक पद है, क्योंकि "योजना" दस भाषायी संस्करणों में प्रकाशित होती है । "कुरुक्षेत्र" मे प्रधान सम्पादक का कोई पद नही है ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।